भारत सरकार

कौशल विकास और उद्‌यमशीलता मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2697

उत्तर देने की तारीख 09 मार्च, 2026

सोमवार, 18 फाल्गुन, 1947 (शक)

बिहार में पीएमकेवीवाई 4.0 का कार्यान्वयन

2697. श्री अरुण भारतीः

क्या कौशल विकास और उद्‌यमशीलता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) 4.0 की वर्तमान स्थिति क्या है और उक्त चरण के अंतर्गत बिहार में कितने उम्मीदवारों को प्रशिक्षित और प्रमाणित किया गया है;

(ख) जमुई लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में कितने प्रधान मंत्री कौशल केन्द्र (पीएमकेके) और अन्य प्रत्यायित प्रशिक्षण केन्द्र कार्य कर रहे हैं;

(ग) सरकार द्वारा जमुई जैसे जिलों में प्रशिक्षण केन्द्रों में ड्रोन प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रिक वाहनों की मरम्मत, कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे नए युग के कौशल पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं;

(घ) गत वित्तीय वर्ष के दौरान कौशल विकास के लिए बिहार को कुल कितनी धनराशि आवंटित की गई है और इसके उपयोग की स्थिति क्या है; और

(ङ) सरकार द्वारा रोजगार प्राप्त करने की दरों में सुधार लाने और यह सुनिश्चित करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं/किए जा रहे हैं कि सिखाए जा रहे कौशल इस क्षेत्र में उद्योग की मांगों के अनुरूप हों?

उत्तर

कौशल विकास और उद्‌यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) कौशल विकास और उद्‌यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) बिहार सहित देश भर में युवाओं को अल्पकालिक प्रशिक्षण (एसटीटी) के माध्यम से कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करने और पूर्व अधिगम मान्यता (आरपीएल) द्वारा कौशलोन्नयन और पुनः कौशलीकरण के लिए प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0 (पीएमकेवीवाई 4.0) को लागू कर रहा है। अखिल भारतीय स्तर पर, दिनांक 31.12.2025 तक, पीएमकेवीवाई 4.0 के तहत कुल 27.09 लाख उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया जा चुका है और 18.79 लाख उम्मीदवारों को प्रमाणित किया जा चुका है। इसके अलावा, दिनांक 31.12.2025 तक, बिहार राज्य के लिए, पीएमकेवीवाई 4.0 के तहत क्रमशः 1.27 लाख और 0.78 लाख उम्मीदवारों को प्रशिक्षित और प्रमाणित किया जा चुका है।

(ख) जमुई संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में संपूर्ण जमुई जिला, मुंगेर जिले का कुछ भाग और शेखपुरा जिले का कुछ भाग शामिल है। वित्त वर्ष 2022-23 से लागू पीएमकेवाई 4.0 के तहत, परियोजना कार्यान्वयन एजेंसियों द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों के मूल्यांकन के लिए मांग-आधारित तंत्र का पालन किया जाता है। इसके बाद स्किल इंडिया डिजिटल हब (सिद्ध) के माध्यम से एक व्यापक मान्यता और संबद्धता प्रक्रिया संचालित की जाती है, जो परियोजना आधारित है और नियमित रूप से अद्यतन की जाती है। 31.12.2025 तक, जमुई, मुंगेर और शेखपुरा जिलों में पीएमकेवीवाई 4.0 के तहत 31 प्रशिक्षण केंद्रों (जिनमें 03 प्रधानमंत्री कौशल केंद्र शामिल हैं) ने परियोजना-आधारित कौशल विकास प्रदान किया है।

(ग) पीएमकेवीवाई 4.0 के तहत, उद्योग की बदलती मांगों और नई तकनीकों के आने से तालमेल बिठाने के लिए नए युग के कौशल पाठ्यक्रम शुरू करने हेतु विभिन्न कदम उठाए गए हैं। उद्योग 4.0 के लिए कार्यबल को तैयार करने हेतु एआई, 5जी प्रौद्योगिकी, साइबर सुरक्षा, ग्रीन हाइड्रोजन, ड्रोन प्रौद्योगिकी आदि क्षेत्रों में 600 से अधिक नए युग के, उद्योग-अनुकूल पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं। दिनांक 31.12.2025 तक, पीएमकेवीवाई 4.0 के तहत जमुई जिले में कुल 969 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया गया है और 816 उम्मीदवारों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए हैं।

(घ) पीएमकेवीवाई 4.0 एक मांग आधारित योजना है जिसमें राज्य कौशल विकास मिशन (एसएसडीएम) सहित प्रशिक्षण भागीदारों द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों के आधार पर उन्हें लक्ष्य आवंटित किए जाते हैं। पीएमकेवीवाई 4.0 के तहत, पिछले वित्त वर्ष (2024-25) में बिहार राज्य में कौशल प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए बिहार में स्थित प्रशिक्षण केंद्रों को कुल 62.33 करोड़ रुपये वितरित किए गए हैं।

(ङ) सरकार ने पीएमकेवीवाई 4.0 के तहत उद्योग संबंधों और रोजगार परिणामों को सुदृढ़ मजबूत करने के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं। पीएमकेवीवाई के अंतर्गत पाठ्यक्रम उभरते क्षेत्रों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अग्रणी उद्योग संचालित संस्थाओं द्वारा तैयार किए गए हैं। ड्रोन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), रोबोटिक्स, मेकाट्रॉनिक्स आदि जैसे उभरते क्षेत्रों और उद्योग 4.0 की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भविष्य के लिए तैयार जॉब रोल्स में प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। इसके अलावा, रोजगार के अवसरों को सक्षम बनाने के लिए, स्किल इंडिया डिजिटल हब (सिद्ध) प्लेटफॉर्म को एक ऐसे मंच के रूप में लॉन्च किया गया है जो कौशलीकरण, शिक्षा, रोजगार और उद्यमशीलता इको सिस्टम को एकीकृत करता है और हितधारकों की एक विस्तृत श्रृंखला को लक्षित करते हुए आजीवन सेवाओं की एक श्रृंखला प्रदान करता है। प्रशिक्षित उम्मीदवारों का ब्यौरा संभावित नियोक्ताओं से जुड़ने के लिए सिद्ध पोर्टल पर उपलब्ध है। स्किल इंडिया डिजिटल हब के माध्यम से, उम्मीदवार नौकरियों और शिक्षुता के अवसरों तक पहुंच प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही, बेहतर व्यावहारिक अनुभव के लिए ऑन-जॉब-ट्रेनिंग (ओजेटी) को पीएमकेवीवाई 4.0 का एक अभिन्न घटक बनाया गया है।

******